SATISH CHANDRA MEMORIAL SCHOOL

CASE STUDY PRACTICE TEST

CLASS – VII

HINDI

Time allowed - 40 minutes **Full Marks - 14**

क. निम्नलिखित केस स्टडी को पढ़कर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1X4=4)

चंद्रशेखर आज़ाद भारत के महान और अदम्य साहस वाले स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, जिनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के भाबरा ग्राम में हुआ था, जिसे आज उनके सम्मान में आज़ादनगर कहा जाता है। बचपन से ही उनके मन में देश के प्रति गहरी निष्ठा और अंग्रेजी शासन के प्रति असंतोष की भावना विद्यमान थी। अत्यंत कम आयु में ही वे राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ गए। मात्र 15 वर्ष की आयु में उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन में सक्रिय भाग लिया, जो उनकी प्रखर देशभक्ति और जागरूक राजनीतिक चेतना को दर्शाता है।

जब उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनसे नाम, पिता का नाम तथा पता पूछा गया, तो उन्होंने निर्भीकता से अपना नाम "आज़ाद", पिता का नाम "स्वतंत्रता" और पता "जेलखाना" बताया। यह उत्तर केवल साहस का नहीं, बल्कि ब्रिटिश शासन के प्रति उनके विद्रोही स्वभाव और मानसिक स्वतंत्रता का प्रतीक था। इसी घटना के बाद वे चंद्रशेखर आज़ाद के नाम से पूरे देश में प्रसिद्ध हो गए।

बाद में आज़ाद ने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) से जुड़कर स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी और सशस्त्र क्रांति के मार्ग को अपनाया। वे न केवल एक निडर क्रांतिकारी थे, बल्कि एक कुशल संगठक और प्रेरक नेता भी थे, जिन्होंने अनेक युवाओं को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ा। उनका यह अटूट संकल्प था कि वे जीवनभर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करेंगे और कभी भी उनके हाथ जीवित नहीं आएंगे।

27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में, जब पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया, तब उन्होंने अत्यंत साहस और धैर्य के साथ मुकाबला किया। लंबे संघर्ष के बाद जब बचने का कोई मार्ग शेष नहीं रहा, तो उन्होंने अपनी अंतिम गोली स्वयं पर चलाकर अपने प्रण को निभाया और वीरगति को प्राप्त हुए।

चंद्रशेखर आज़ाद का जीवन साहस, आत्मबलिदान, दृढ़ निश्चय और देशप्रेम का अनुपम उदाहरण है। उनका बलिदान केवल इतिहास की घटना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमर स्रोत है, जो सदैव भारतवासियों के हृदय में स्वतंत्रता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करता रहेगा।

प्रश्न 1: चंद्रशेखर आज़ाद ने किस आंदोलन में भाग लेकर अपनी देशभक्ति का परिचय दिया था?

A. सविनय अवज्ञा आंदोलन B. असहयोग आंदोलन

C. भारत छोड़ो आंदोलन D. स्वदेशी आंदोलन

प्रश्न 2: चंद्रशेखर आज़ाद ने कौन-सा प्रण लिया था?

A. वे कभी राजनीति में नहीं आएंगे B. वे अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण करेंगे

C. वे अंग्रेजों के हाथ कभी जीवित नहीं आएंगे D. वे विदेश चले जाएंगे

निम्नलिखित Assertion (कथन) एवं Reasoning (कारण) वाले प्रश्नों को पढ़कर उनके सही विकल्प को चुनिए।

A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।
B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
C) कथन और कारण दोनों सही हैं।
D) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

प्रश्न 3: **कथन** : चंद्रशेखर को "आज़ाद" नाम से जाना जाने लगा।

कारण : गिरफ्तारी के समय उन्होंने अपना नाम "आज़ाद", पिता का नाम "स्वतंत्रता" और पता "जेलखाना" बताया था।

प्रश्न 4: **कथन** : चंद्रशेखर आज़ाद अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं आए।

कारण : अल्फ्रेड पार्क में घिर जाने पर उन्होंने अपनी अंतिम गोली अंग्रेज अफ़सर पर चला दी।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (2X5=10)

प्रश्न 1. चंद्रशेखर आज़ाद ने बहुत कम उम्र में ही स्वतंत्रता आंदोलन में भाग क्यों लिया।

प्रश्न 2. गिरफ्तारी के समय चंद्रशेखर आज़ाद का उत्तर ब्रिटिश शासन के लिए चुनौती क्यों था?

प्रश्न 3.चंद्रशेखर आज़ाद ने सशस्त्र क्रांति का मार्ग अपनाया। क्या हर परिस्थिति में यही मार्ग उचित होता है?

प्रश्न 4. चंद्रशेखर आज़ाद का जीवन हमें किन मूल्यों की प्रेरणा देता है?

प्रश्न 5. गिरफ्तारी के समय उन्होंने अपना नाम, पिता का नाम और पता क्या बताया था?